BIHAR

45Rs.

चैतालीस रुपया

भारत

INDIA

४५रु. 45Rs.

FORTY FIVE RUPEES

एक तेरह रुपया मात्र

नाम मोकीर - मो० मुन्दर जौजे दुर्गा मोची मुतवफ्फा जात मोची पेशा गिरहस्ती सा० मौजा नदीया अमला टोली थाना लोहरदगा जिला रांची

नाम मोकीर अलेह / - श्री कामेश्वर राम वल्द श्री जीतु राम मुतवफ्फा जात मोची पेशा गिरहस्ती सा० मौजा नदीया अमलाटोली थाना लोहरदगा जिला रांची

किस्मे वसीका - बिक्री बैलाकलामी

तायदाद रुपैया - मो० 1000) एक हजार रुपैया

तफसील जमीन - मवाजी छः धौ डिसमील जमीन में दुटा कच्चा मकान खाम खपरे पोस में लवाजमात काठ- बांस- खपड़ा वोगैरह हकीयत दपरवन्दी राइट जिसका साबीक पलाट नं० 1280 वो हाल म्युनिसिपल सर्वे पलाट नं० 266 मे से रकबा छः डि० धौ डिसमील जो बजरीये बिक्री रेजस्ट्री ता० 12-10-74 ईस्वी वसीका नं० 63 तरफ से मो० अपरूपवा जौजे धुनुवा चमार के रकबा 2 दो डिसमील वो बजरीये बिक्री रेजस्ट्री ता० 10-1-73 ईस्वी वसीका नं० 86 तरफ से सेख सहीम वोगैरह के रकबा 4 चार डिसमील जमा रकबा धौ डिसमील उक्त पलाट नाम से दुर्गा चमार सोहर मन मोकीरा के हासील ...

6/6/1991

अंचल अधिकारी

लोहरदगा (रांची)

BIHAR

INDIA

9 Rs

नौ रुपया

नौ रुपया

NINE RUPEES भारत NINE RUPEES

मनमोक्कीरा दरवलकार चले आने वो बाद मरजाने उनके दरवल कबजा में मनमोक्कीरा के चला आता है उपरोक्त जमीन मजकुरे वाला वाके मौजा नदीया अमलाटोली थाना लोहरदगा थाना नं० १८४ जिला राँची डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रार राँची वो सब रजिस्ट्रार मो० लोहरदगा अन्दर जमीनदारी बिहार सरकार सु सेव्धाम औफीसर मो० लोहरदगा अन्दर म्युनिसिपैलिटि लोहरदगा शुक बाजार रोड जिसका हाल होल्डींग नं० २६१ है माल सालाने छपरबन्दी का मो० १= एक रुपैया दो आना है

आगे मनमोक्कीरा मोक्कीर अलैह मजकुर से मो० १०००/ एक हजार रुपैया वास्ते खर्च खानेदारी वो भी धर्मार्थ कार्य करने के लिया वो रुपैया मजकुर को जरसमन करार देकर बवदल जरसमन मजकुर के जमीन मजकुरेवाला को बदस्त मोक्कीर अलैह मजकुरके तमामी कुल हक हकुक के बेचा वो बैनामा कामील किया वो बजाय मनमोक्कीरा के उपर से बिक्री जमीन के खरीदार मजकुर को काबीज दरवलकार किया चाहीये के खरीदार मजकुर मै उनके वारीसान उपर से बिक्री जमीन के दरवलकार होकर वो रहकर कच्चा या पक्का मकान बनावे वो मकान किराया मे लगावे वो जो आमदनी नगदी या जिनसी हो साल व साल भोग तसरुफ किया करें अब आज के तारीख से कोई हक या दावी वास्ता या सरोकार उपर से बिक्री जमीन के मनमोक्कीरा वो वारीसान कायम मोकामीयान मनमोक्कीरा का नहीं रहा वो नहीं आइन्दे होगा जो कुछ के हक हकुक उपर से बिक्री जमीन के मनमोक्कीरा वो वारीसान कायम

3

…मीयान मनमोकीरा का था या होता वह सब कुल हक की
दावी आज के रोज से बजीनसहु खरीदार मजकुर वो उनके
वारीसान कायम मोकामीयान का हुवा वो होगा वो से बिक्री
जमीन का तखील खारीज वोगैरह खरीदार मजकुर अपने
नाम से करा लेवे वो मालगुजारी फ़सरबन्दी का साल ब साल
खरीदार मजकुर बिहार सरकार के आदाय करके खास
अपने नाम से रसीद लिया करें वो खरीदार मजकुर अन्दर
म्युनिसिपैलिटि में दरखास्त कर अपना नाम दर्ज करा
लेवें वो जो टैक्स वोगैरह हो साल ब साल आदाय कर
रसीद खास नाम से हासील कर लिया करें कोई उजुर नहीं
होगा इस वास्ते हम अपने खुसी राजी से कुल रुपैया
लेकर बिक्री बैलाकलामी लिख दिया के वक्त पर काम आवे

ता० १६ सतरह जनवरी सन १९७५ पचहतर ईस्वी

कातीब सुरेन्द्र प्रसाद साहु सा० पांवरगंज लोहर दगामज
मुजफ्फर मोकीरा को सुना समझा दिया

मैं मो० सुन्दर प्रमाणीत करती हूँ कि मेरी सहरी सम्पति मिलीत
हरीया से अधीक नही है बा० सुरेन्द्र
प्रसाद साहु मो० नी मेरे सामने बनायी
ता० १६-१-७५ ईस्वी

[illegible]

मैं कामेश्वरराम प्रमाणित करता हूँ कि मेरा १६-१-७५
सहरी सम्पति मिलित हरिया से अधिक इस जमीन को बिक्री लेने के बाद भी
नहीं है बा० खास ता० १६-१-७५

[illegible]
१६-१-७५